तैयारी इसरो की ओर से अप्रैल और मई में प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया जाएगा

यूटीयू का महिला प्रौद्योगिकी संस्थान बना इसरो के 'स्टार्ट-2024' का नोडल सेंटर

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। यूटीयू के महिला प्रौद्योगिकी संस्थान को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रदेश का नोडल केंद्र बनाया है।

इसरो की ओर से अप्रैल और मई में यहां प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया जाएगा। संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष बगवाड़ी को इस कार्य का को-ऑर्डिनेटर बनाया गया है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जानकारी मिलेगी। प्रशिक्षण मॉड्यूल के विशेषज्ञ की ओर से अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों के समायोजन के साथ भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यों और अनुसंधान अवसरों पर व्याख्यान का लाइव सत्र आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अप्लाइड साइंस, रेडियो फिजिक्स, ऑप्टिकल और ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और अन्य संबंधित विषयों की स्नातकोत्तर और अंतिम वर्ष के स्नातक इंजीनियरिंग क्षेत्र के छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण के लिए पात्र होंगे। विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कैंपस संस्थान के निदेशक को बधाई दी। नोडल सेंटर बनाए जाने से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों में खुशी का माहौल है।

थ्रीडी प्रिंटिंग मशीन और प्रयोगशाला बनाने को कहा

कुलपति ने परिसर निदेशक से महिला प्रौद्योगिकी संस्थान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध थ्रीडी प्रिंटिंग मशीन का उपयोग करने के लिए कहा है। इसके अलावा छात्राओं सहित विवि के अन्य तकनीकी छात्रों के लिए भी उत्कृष्ट शिक्षण प्रयोगशाला बनाने के लिए कहा है।